हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन (2025-26)

कक्षा-बारहवीं **विषय:हिन्दी(ऐच्छिक)** **कोड:523**

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 80 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. आंतरिक मूल्यांकन के लिए:

निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:

क) 4 अंकों के लिए दो SAT परीक्षा आयोजित की जाएगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 04 अंकों का भारांक होगा।

ख) 2 अंकों के लिए एक अर्ध वार्षिक परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।

ग) 2 अंकों के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।

घ) 2 अंकों के लिए एक प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।

ङ) 5 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जाएगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।

च) 5 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए। जाएँगे :-

75% से 80% तक - 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक

पाठ्यक्रम संरचना (2025-26)

कक्षा- बारहवीं **विषय: हिन्दी(ऐच्छिक)** **कोड: 523**

पुस्तक का नाम	अध्याय	अंक
रचनात्मक बोध	• अपठित गद्यांश • अपठित पद्यांश	10
अंतरा भाग-2 (गद्य खंड)	• रामचंद्र शुक्ल - प्रेमघन की छाया - स्मृति • पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी - सुमिरिनी के मनके • फणीश्वरनाथ 'रेणु' - संवदिया • भीष्म साहनी - गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात • असगर वजाहत – शेर,पहचान,चार हाथ, साझा • निर्मल वर्मा – जहां कोई वापसी नहीं • ममता कालिया- दूसरा देवदास • हजारी प्रसाद द्विवेदी – कुटज	20
अंतरा भाग-2 (काव्य खंड)	• जयशंकर प्रसाद - (क) देवसेना का गीत (ख) कार्नेलिया का गीत • सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'- सरोज स्मृति • सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन- 'अज्ञेय' (क)यह दीप अकेला (ख) मैंने देखा, एक बूँद • केदारनाथ सिंह - (क) बनारस (ख)दिशा • रघुवीर सहाय - (क) वसंत आया (ख) तोड़ो • तुलसीदास - (क) भरत राम का प्रेम (ख) पद	20

	● मलिक मुहम्मद जायसी - बारहमासा ● विद्यापति - पद ● घनानंद - कवित्त	
अंतराल भाग -2	● सूरदास की झोपड़ी ● बिस्कोहर की माटी ● अपना मालवा	7
अभिव्यक्ति और माध्यम	1) विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन 2) पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया 3) विशेष लेखन- स्वरूप और प्रकार 4) कैसे बनती है कविता 5) नाटक लिखने का व्याकरण 6) कैसे लिखें कहानी 7) कैसे करें कहानी का नाट्य रूपांतरण 8) कैसे बनता है रेडियो नाटक 9) नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन	15
आदर्श जीवन मूल्य (उत्तरा)	1)दुर्बलता छोड़ो--- दृढ़ता अपनाओ 2) दुविधा से ऊपर उठो 3) संतुलित जीवन 4) कार्य में कुशलता लाएं 5) शांत मन --उन्नत जीवन 6) संघर्षों में विजय का मार्ग 7) खेती से अर्जित गौरव और समृद्धि 8) दुर्गा भाभी 9) सर्वे भवंतु सुखिन: 10) हेमचंद्र विक्रमादित्य	8
योग		**80**
आंतरिक मूल्यांकन		**20**
कुल योग		**100**

अंतरा भाग-2 (गद्य खंड):

1) **प्रेमघन की छाया स्मृति** संस्मरणात्मक निबंध में शुक्ल जी ने हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रति अपने प्रारंभिक रुझानों का बड़ा रोचक वर्णन किया है। प्रेमघन के व्यक्तित्व ने शुक्ल जी की समवयस्क मंडली को किस तरह प्रभावित किया, हिंदी के प्रति किस प्रकार आकर्षित किया तथा किसी रचनाकार के व्यक्तित्व निर्माण आदि से संबंधित पहलुओं का बड़ा चित्ताकर्षक चित्रण इस निबंध में किया गया है।
2) **पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी** सुमिरिनी के मनके नाम से तीन लघु निबंध-**बालक बच गया, घड़ी के पुर्जे** और **ढेले चुन लो** पाठ्यपुस्तक में दिए गए हैं। बालक बच गया निबंध का मूल प्रतिपाद्य है शिक्षा ग्रहण की सही उम्र। लेखक मानता है कि हमें व्यक्ति के मानस के विकास के लिए शिक्षा को प्रस्तुत करना चाहिए, शिक्षा के लिए मनुष्य को नहीं। हमारा लक्ष्य है मनुष्य और मनुष्यता को बचाए रखना मनुष्य बचा रहेगा तो वह समय आने पर शिक्षित किया जा सकेगा। लेखक ने अपने समय की शिक्षा प्रणाली और शिक्षकों की मानसिकता को प्रकट करने के लिए अपने जीवन के अनुभव को हमारे सामने अत्यंत व्यावहारिक रूप में रखा है। घड़ी के पुर्जे में लेखक ने धर्म के रहस्यों को जानने पर धर्म उपदेशकों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों को घड़ी के दृष्टांत द्वारा बड़े ही रोचक ढंग से प्रस्तुत किया है। ढेले चुन लो में लोक विश्वासों में निहित अंधविश्वासी मान्यताओं पर चोट की गई है। तीनों निबंध समाज की मूल समस्याओं पर विचार करने वाले हैं। इनकी भाषा शैली सरल, बोलचाल की होते हुए भी गंभीर ढंग से विषय प्रवर्तन करने वाली हैं।
3) **फणीश्वर नाथ रेणु** संवदिया कहानी में मानवीय संवेदना की गहन एवं विलक्षण पहचान प्रस्तुत हुई है। असहाय और सहनशील नारी मन के कोमल तंतु की, उसके दुख और करुणा की, पीड़ा तथा यातना की ऐसी सूक्ष्म पकड़ रेणु जैसे 'आत्मा के शिल्पी' द्वारा ही संभव है। रेणु ने बड़ी बहुरिया की पीड़ा को उसके भीतर के हाहाकार को संवदिया के माध्यम से अपनी पूरी सहानुभूति प्रदान की है। लोकभाषा की नींव पर खड़ी संवदिया कहानी पहाड़ी झरने की तरह गतिमान है। उसकी गति, लय, प्रवाह, संवाद और संगीत पढ़ने वाले के रोम-रोम में झंकृत होने लगता है।
4) **भीष्म साहनी -** गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात उनकी आत्मकथा आज के अतीत का एक अंश है। जोकि एक संस्मरण है। इसमें लेखक ने किशोरावस्था से प्रौढ़ावस्था तक के अपने अनुभवों को स्मृति के आधार पर शब्दबद्ध किया है। प्रभावशाली शब्द चित्रों के माध्यम से

प्रस्तुत किया है। प्रस्तुत संस्मरण अत्यंत रोचक, सरस एवं पठनीय बन पड़ा है क्योंकि भीष्म साहनी ने अपने रोचक अनुभवों को बीच-बीच में जोड़ दिया है। इस पाठ के माध्यम से रचनाकार के व्यक्तित्व के अतिरिक्त राष्ट्रीयता, देशप्रेम और अंतरराष्ट्रीय मैत्री जैसे मुद्दे भी पाठक के सामने उजागर हो जाते हैं।

5) **असगर वजाहत - शेर, पहचान, चार हाथ और साझा** नाम से उनकी चार लघुकथाएँ दी गई हैं। शेर प्रतीकात्मक और व्यंग्यात्मक लघुकथा है। शेर व्यवस्था का प्रतीक है जिसके पेट में जंगल के सभी जानवर किसी न किसी प्रलोभन के चलते समाते चले जा रहे हैं। पहचान में राजा की बहरी, गूँगी और अंधी प्रजा पसंद आती है जो बिना कुछ बोले बिना कुछ सुने और बिना कुछ देखे उसकी आज्ञा का पालन करती रहे। कहानीकार ने इसी यथार्थ की पहचान कराई है। भूमंडलीकरण और उदारीकरण के दौर में इन्हें प्रगति और उत्पादन से जोड़कर संगत और उरों भी ठहराया जा रहा है। चार हाथ पूँजीवादी व्यवस्था में मजदूरों के शोषण को उजागर करती है। पूँजीपति भाँति-भाँति के उपाय कर मजदूरों को पंगु बनाने का प्रयास करते हैं।साझा में उद्योगों पर कब्जा जमाने के बाद पूँजीपतियों की नजर किसानों की जमीन और उत्पाद पर जमी है। गाँव का प्रभुत्वशाली वर्ग भी इसमें शामिल है। वह किसान को साझा खेती करने का देता है और उसकी सारी फसल हड़प लेता है। किसान को पता भी नहीं चलता और उसकी सारी कमाई हाथी के पेट में चली जाती है। यह हाथी और कोई नहीं बल्कि समाज का बना और प्रभुत्वशाली वर्ग है जो किसानों को भीख में डालकर उसकी सारी मेहनत को हजम करता है। यह कहानी आजादी के बाद किसानों की बदहाली का वर्णन करते हुए उसके कारणों की पहल करती है।

6) **निर्मल वर्मा-** जहाँ कोई वापसी नहीं यात्रा-वृत्तांत धुंध से उठती धुन संग्रह से लिया गया है। उसमें लेखक ने पर्यावरण संबंधी सरोकारों को ही नहीं, विकास के नाम पर पर्यावरण विनाश से उपजी विस्थापन संबंधी मनुष्य की यातना को भी रेखांकित किया है। यह पाठ विस्थापितों की अनेक समस्याओं का हृदयस्पर्शी चित्र प्रस्तुत करता है। इस सत्य को भी उद्घाटित करता है कि आधुनिक औद्योगीकरण की आँधी में सिर्फ़ मनुष्य ही नहीं उखड़ता, बल्कि उसका परिवेश, संस्कृति और आवास स्थल भी हमेशा के लिए नष्ट हो जाते हैं।

7) **ममता कालिया-** दूसरा देवदास कहानी में लेखिका ने इस तरह घटनाओं का संयोजन किया है कि अनजाने में प्रेम का प्रथम अंकुरण संभव और पारो के हृदय में बड़ी अजीब परिस्थितियों में उत्पन्न होता है। कहानी के माध्यम से लेखिका ने प्रेम को बंबईया फिल्मों की परिपाटी से

अलग हटाकर उसे पवित्र और स्थायी स्वरूप प्रदान किया है। कथ्य, विषयवस्तु, भाषा और शिल्प की दृष्टि से कहानी बेजोड़ है।

8) **हजारी प्रसाद द्विवेदी-** कुटज हिमालय पर्वत की ऊँचाई पर सूखी शिलाओं के बीच उगने वाला एक जंगली पौधा है, जिसमें फूल लगते हैं। इसी फूल की प्रकृति पर यह निबंध कुटज लिखा गया है। कुटज में न विशेष सौंदर्य है, न सुगंध, फिर भी लेखक ने उसमें मानव के लिए एक संदेश पाया है। कुटज में अपराजेय जीवनशक्ति है, स्वावलंबन है, आत्मविश्वास है और विषम परिस्थितियों में भी शान के साथ जीने की क्षमता है। वह समान भाव से सभी परिस्थितियों को स्वीकारता है। सामान्य से सामान्य वस्तु में भी विशेष गुण हो सकते हैं यह जताना इस निबंध का अभीष्ट है।

अंतरा भाग-2 (काव्य खंड) :

1) **जयशंकर प्रसादः- कार्नेलिया का गीत** -यह गीत चंद्रगुप्त नाटक का प्रसिद्ध गीत है। सिल्यूकस की बेटी कार्नेलिया के द्वारा भारत के प्राकृतिक सौंदर्य वह गौरव गाथा का वर्णन किया गया है। **देवसेना का गीत-**यह गीत प्रसाद जी के नाटक स्कंद गुप्त से लिया गया है इसमें देवसेना कक पीड़ा के क्षणों का वर्णन किया गया है

2) **सूर्यकांत त्रिपाठी निराला** :- सरोज स्मृति-सरोज स्मृति कविता निराला की दिवंगत पुत्री सरोज पर केंद्रित है। यह कविता बेटी के दिवंगत होने पर पिता का विलाप है। पिता के इस विलाप में कवि को कभी शकुंतला की याद आती है कभी अपनी स्वर्गीय पत्नी की। बेटी के रूप रंग में पत्नी का रूप रंग दिखाई पड़ता है, जिसका चित्रण निराला ने किया है। यही नहीं इस कविता में एक भाग्यहीन पिता का संघर्ष, समाज से उसके संबंध, पुत्री के प्रति बहुत कुछ न कर पाने का अकर्मण्यता बोध भी प्रकट हुआ है। इस कविता के माध्यम से निराला का जीवन-संघर्ष भी प्रकट हुआ है। वे कहते हैं- 'दुख ही जीवन की कथा रही, क्या कहूँ आज जो नहीं कहीं'।

3) **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेयः- यह दीप अकेला-**यह दीप अकेला कविता में अज्ञेय ऐसे दीप की बात करते हैं जो स्नेह भरा है, गर्व भरा है, मदमाता भी है किंतु अकेला है। अहंकार का मद हमें अपनों से अलग कर देता है। **मैंने देखा एक बूंद** मैने देखा एक बूँद कविता में अज्ञेय ने समुद्र से अलग प्रतीत होती बूँद की क्षणभंगुरता को व्याख्यायित किया है। इस कविता के माध्यम से कवि ने जीवन में क्षणभंगुरता के महत्त्व को समझाया है।

4) **केदारनाथ सिंह:- बनारस कविता** में प्राचीनतम शहर बनारस के सांस्कृतिक वैभव के साथ ठेठ बनारसीपन पर भी प्रकाश डाला गया है। बनारस शिव की नगरी और गंगा के साथ विशिष्ट आस्था का केंद्र है। बनारस में गंगा, गंगा के घाट, मंदिर तथा मंदिरों और घाटों के किनारे बैठे भिखारियों के कटोरे जिनमें वसंत उतरता है-का चित्र बनारस कविता में अंकित है **दिशा कविता** बाल मनोविज्ञान से संबंधित है जिसमें पतंग उड़ाते बच्चे से कवि पूछता है हिमालय किधर है। बालक का उत्तर बाल सुलभ है कि हिमालय उधर है जिधर उसकी पतंग भागी जा रही है। हर व्यक्ति का अपना यथार्थ होता है, बच्चे यथार्थ को अपने ढंग से देखते हैं। कवि को यह बाल सुलभ संज्ञान मोह लेता है।

5) **रघुवीर सहाय:- वसंत आया** कविता कहती है कि आज मनुष्य का प्रकृति से रिश्ता टूट गया है। वसंत ऋतु का आना अब अनुभव करने के बजाय कैलेंडर से जाना जाता है। ऋतुओं में परिवर्तन पहले की तरह ही स्वभावतः घटित होते रहते हैं। पत्ते झड़ते हैं, कोपलें फूटती हैं, हवा बहती है, ढाक के जंगल दहकते हैं, कोमल भ्रमर अपनी मस्ती में झूमते हैं। वास्तव में कवि ने आज के मनुष्य की आधुनिक जीवन शैली पर व्यंग्य किया है इस कविता की भाषा में जीवन की विडंबना छिपी हुई है। प्रकृति से अंतरंगता को व्यक्त करने के लिए कवि ने देशज, तद्भव शब्दों और क्रियाओं का भरपूर प्रयोग किया है। अशोक, मदन महीना, पंचमी, नंदनवन, जैसे परंपरा में रचे-बसे जीवनानुभवों की भाषा ने इस कविता को आधुनिकता के सामने एक चुनौती की तरह खड़ा कर दिया है। कविता में बिंबों और प्रतीकों का भी सुंदर प्रयोग हुआ है। तोड़ो उद्बोधनपरक कविता है। इसमें कवि सृजन हेतु भूमि को तैयार करने के लिए चट्टानें, ऊसर और बंजर को तोड़ने का आह्वान करता है।

6) **तुलसीदास :-** पाठ्यपुस्तक में प्रस्तुत चौपाई और दोहों को रामचरितमानस के अयोध्या कांड से लिया गया हैं। इन छंदों में राम वनगमन के पश्चात् भरत की मनोदशा का वर्णन किया गया है। भरत भावुक हृदय से बताते हैं कि राम का उनके प्रति अत्यधिक प्रेमभाव है। वे बचपन से ही भरत को खेल में भी सहयोग देते रहते थे और उनका मन कभी नहीं तोड़ते थे।

7) **मलिक मोहम्मद जायसी:-** प्रसिद्ध रचना पद्मावत के 'बारहमासा' के कुछ अंश दिए गए हैं। प्रस्तुत पाठ में कवि ने नायिका नागमती के विरह का वर्णन किया है। कवि ने शीत के अगहन और पूस माह में नायिका की विरह दशा का चित्रण किया है। प्रथम अंश में प्रेम के वियोग में नायिका विरह की अग्नि में जल रही है और भवरे तथा काग के समक्ष अपनी स्थितियों का

वर्णन करते हुए नायक को संदेश भेज रही है। द्वितीय अंश में विरहिणी नायिका के वर्णन के साथ-साथ शीत से उसका शरीर काँपने तथा वियोग से हृदय काँपने का सुंदर चित्रण है।

8) **विद्यापति :-** इस पाठ्यपुस्तक में विद्यापति के तीन पद लिए गए हैं। पहले में विरहिणी के हृदय के उद्गारों को प्रकट करते हुए उन्होंने उसको अत्यंत दुखी और कातर बताया है। दूसरे पद में प्रियतमा सखि से कहती है कि मैं जन्म-जन्मांतर से अपने प्रियतम का रूप ही देखती रही परंतु अभी तक नेत्र संतुष्ट नहीं हुए हैं। उनके मधुर बोल कानों में गूँजते रहते हैं। तीसरे पद में कवि ने विरहिणी प्रियतमा का दुखभरा चित्र प्रस्तुत किया है।

9) **घनानंद दल :-** प्रस्तुत पुस्तक में कवि घनानंद के प्रथम कवित में कवि ने अपनी प्रेमिका सुजान के दर्शन की अभिलाषा प्रकट करते हुए कहा है कि सुजान के दर्शन के लिए हो ये प्राण अब तक अटके हुए हैं।

अंतराल भाग-2 :-

1. **सूरदास की झोंपड़ी -** सूरदास की झोंपड़ी प्रेमचंद के उपन्यास रंगभूमि का एक अंश है। एक दृष्टिहीन व्यक्ति जितना बेबस और लाचार जीवन जीने को अभिशप्त होता है, सूरदास का चरित्र ठीक इसके विपरीत है। सूरदास अपनी परिस्थितियों से जितना दुखी व आहत है उससे कहीं अधिक आहत है भैरों और जगधर द्वारा किए जा रहे अपमान व उनकी ईर्ष्या से है। सूरदास के चरित्र की विशेषता यह है कि झोंपड़ी के जला दिए जाने के बावजूद वह किसी से प्रतिशोध लेने में विश्वास नहीं करता बल्कि पुनर्निर्माण में विश्वास करता है। इसीलिए वह मिठुआ के सवाल-" जो कोई सौ लाख बार झोंपड़ी को आग लगा दे तो" के जवाब में दृढ़ता के साथ उत्तर देता है- "तो हम भी सौ लाख बार बनाएँगे"।
2. **बिस्कोहर की माटी-** प्रस्तुत पाठ बिस्कोहर की माटी विश्वनाथ त्रिपाठी की आत्मकथा नंगातलाई का गाँव का एक अंश है। आत्मकथात्मक शैली में लिखा गया यह पाठ अपनी अभिव्यंजना में अत्यंत रोचक और पठनीय है। लेखक ने उम्र के कई पड़ाव पार करने के बाद अपने जीवन में माँ, गाँव और आसपास के प्राकृतिक परिवेश का वर्णन करते हुए ग्रामीण जीवन शैली, लोक कथाओं, लोक मान्यताओं को पाठक तक पहुँचाने की कोशिश की है।

3. **अपना मालवा (खाऊ-उजाड़ू सभ्यता में)-** प्रभाष जोशी का अपना मालवा-खाऊ-- उजाड़ू सभ्यता में पाठ जनसत्ता, 1 अक्टूबर 2006 के कागद कारे स्तंभ से लिया गया है। इस पाठ में लेखक ने मालवा प्रदेश की मिट्टी, वर्षा, नदियों की स्थिति, उद्गम एवं विस्तार तथा वहाँ के जनजीवन एवं संस्कृति को चित्रित किया है। पहले के मालवा 'मालव धरती गहन गंभीर, डग-डग रोटी पग-पग नीर' की अब के मालवा 'नदी नाले सूख गए, पग-पग नीर वाला मालवा सूखा हो गया' से तुलना की है। जो मालवा अपनी सुख-समृद्धि एवं संपन्नता के लिए विख्यात था वही अब खाऊ - उजाड़ू सभ्यता में फँसकर उलझ गया है। यह खाऊ-उजाड़ू सभ्यता यूरोप और अमेरिका की देन है जिसके कारण विकास की औद्योगिक सभ्यता उजाड़ की अपसभ्यता बन गई है। इससे पूरी दुनिया प्रभावित हुई है, पर्यावरण बिगड़ा है।

अभिव्यक्ति और माध्यम :-

1) **विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन** – जनसंचार के विभिन्न माध्यमों की खूबियाँ और ख़ामियाँ, मुद्रित माध्यम में लेखन के लिए ध्यान रखने योग्य बातें,रेडियो समाचार की संरचना,रेडियो के लिए समाचार लेखन, टेलीविज़न खबरों के विभिन्न चरण, रेडियो और टेलीविजन समाचार की भाषा और शैली, इंटरनेट पत्रकारिता का इतिहास और भारत में इंटरनेट पत्रकारिता, हिन्दी नेट संसार।

2) **पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया** – पत्रकारीय लेखन क्या है?समाचार कैसे लिखा जाता है? समाचार लेखन और छह ककार, फ़ीचर क्या है? फ़ीचर कैसे लिखें? विशेष रिपोर्ट कैसे लिखे? विचारपरक लेखन -लेख, टिप्पिणियाँ,संपादकीय लेखन,स्तंभ लेखन, संपादक के नाम पत्र, साक्षात्कार।

3) **विशेष लेखन- स्वरूप और प्रकार** – विशेष लेखन क्या है?विशेष लेखन की भाषा और शैली, विशेष लेखन के क्षेत्र, कैसे हासिल करें विशेषज्ञता।

4) **कैसे बनती है-** कविता- कविता क्या है? कविता कैसे बनती है? कविता में शब्दों का चयन, कविता में बिंब और छंद, कविता की संरचना, कविता के घटक।

5) **नाटक लिखने का व्याकरण-** नाटक और अन्य विधाएँ, नाटक में समय का बंधन, नाटक के तत्व, नाटक के विषय, नाटक में स्वीकार और अस्वीकार की अवधारणा, नाटक की शिल्प संरचना।

6) **कैसे लिखें कहानी** – कहानी क्या है? कहानी के तत्व।

7) **नाटक कैसे करें कहानी का नाट्य रूपांतरण** – कहानी और नाटक का संबंध, कहानी को नाटक कैसे बनाएँ? नाट्य रूपांतरण की चुनौतियाँ।

8) **कैसे बनता है रेडियो नाटक** – रेडियो नाटक की परंपरा, सिनेमा,रंगमंच और रेडियो नाटक – समानता और असमानता,रेडियो नाटक में ध्वनि संकेतों की महत्ता।

9) **नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन -** अप्रत्याशित विषय पीरी लेखन क्या है?क्या इसकी कोई तकनीक हो सकती है?कैसे करें तैयारी?

मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2025-26)

कक्षा- बारहवीं **विषय:हिन्दी(ऐच्छिक)** **कोड:523**

मास	पुस्तक का नाम	विषय- वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश
अप्रैल	अंतरा भाग -2	रामचंद्र शुक्ल - प्रेमघन की छाया – स्मृति जयशंकर प्रसाद - (क) देवसेना का गीत (ख) कार्नेलिया का गीत	4 4	4
	अभिव्यक्ति और माध्यम	• विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन • पत्रकारीय लेखन के विभिन्न रूप और लेखन प्रक्रिया	5 5	
	आदर्श जीवन मूल्य (उत्तरा)	• दुर्बलता छोड़ो-- दृढ़ता अपनाओ	1	
मई	अंतरा भाग -2	• पंडित चंद्रधर शर्मा गुलेरी - सुमिरिनी के मनके • सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'- सरोज स्मृति	5 5	5
	अभिव्यक्ति और माध्यम	• विशेष लेखन- स्वरूप और प्रकार	5	
	आदर्श जीवन मूल्य (उत्तरा)	• दुविधा से ऊपर उठो • संतुलित जीवन	1 1	

जून	ग्रीष्मकालीन अवकाश (परियोजना कार्य)			
जुलाई	अंतरा भाग -2	• फणीश्वरनाथ 'रेणु' - संवदिया • सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन- 'अज्ञेय' (क)यह दीप अकेला (ख) मैंने देखा, एक बूँद	4 6	4
	अभिव्यक्ति और माध्यम	• कैसे बनती है कविता	5	
	आदर्श जीवन मूल्य (उत्तरा)	• कार्य में कुशलता लाएं	2	
अगस्त	अंतरा भाग -2	• भीष्म साहनी – गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात • केदारनाथ सिंह - (क) बनारस (ख)दिशा	5	4
	अभिव्यक्ति और माध्यम	• नाटक लिखने का व्याकरण	5	
	अंतराल भाग -2 आदर्श जीवन मूल्य (उत्तरा)	• सूरदास की झोपड़ी • शांत मन ---उन्नत जीवन • संघर्षों में विजय का मार्ग	4 1 1	
सितंबर		• असगर वजाहत – शेर,पहचान,चार हाथ, साझा		

	अंतरा भाग -2	• रघुवीर सहाय - (क) वसंत आया (ख) तोड़ो	4 4	
	अभिव्यक्ति और माध्यम	----		
	आदर्श जीवन मूल्य (उत्तरा)	खेती से अर्जित गौरव और समृद्धि	1	
	अर्ध-वार्षिक परीक्षा के लिए पुनरावृत्ति अर्ध-वार्षिक परीक्षा			8
अक्तूबर	अंतरा भाग -2	• निर्मल वर्मा – जहां कोई वापसी नहीं • तुलसीदास - (क) भरत राम का प्रेम (ख) पद	4 5	4
	अंतराल भाग-2	बिस्कोहर की माटी	4	
	अभिव्यक्ति और माध्यम	• कैसे लिखें कहानी • कैसे करें कहानी का नाट्य रूपांतरण	3 4	
	आदर्श जीवन मूल्य (उत्तरा)	दुर्गा भाभी	1	
नवंबर	अंतरा भाग -2	• ममता कालिया- दूसरा देवदास • मलिक मुहम्मद जायसी – बारहमासा	4 4	4

	अभिव्यक्ति और माध्यम	कैसे बनता है रेडियो नाटक	4	
	आदर्श जीवन (मूल्य उत्तरा)	• सर्वे भवंतु सुखिनः	1	
दिसंबर	अंतरा भाग -2	• हजारी प्रसाद द्विवेदी – कुटज • विद्यापति - पद	5 4	3
	अंतराल भाग-2	• अपना मालवा	3	
	अभिव्यक्ति और माध्यम	• नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन	6	
	आदर्श जीवन मूल्य (उत्तरा)	• हेमचंद्र विक्रमादित्य	1	
जनवरी	अंतरा भाग -2	घनानंद - कवित्त • पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति	3	12
फ़रवरी		पाठ्यक्रम पुनरावृत्ति		20
मार्च		वार्षिक परीक्षा		

नोटः

- **विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली / परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।**

निर्धारित पुस्तकें:

1. अंतरा भाग-2 (BSEH प्रकाशन © NCERT)
2. अंतराल भाग -2 पूरक पुस्तक (BSEH प्रकाशन © NCERT)
3. अभिव्यक्ति और माध्यम (BSEH प्रकाशन)
4. आदर्श जीवन मूल्य (उत्तरा) - कक्षा 12 के लिए (BSEH प्रकाशन)

प्रश्न पत्र प्रारूप (2025-26)

कक्षा- बारहवीं **विषय: हिन्दी(ऐच्छिक)** **कोड:523**

अध्याय	अंक	प्रश्न संख्या	विवरण	कुल अंक
रचनात्मक बोध	5 5	5 5	अपठित गद्यांश (1x5=5) अपठित पद्यांश (1x5=5)	10
अंतरा भाग-2 (गद्य खंड)	1 1 3,2	5 1 4	बहुविकल्पीय प्रश्न (1x5=5) गद्यांश पर आधारित प्रश्न (1x5=5) पाठ पर आधारित प्रश्न (3+3+2+2=10)	20
अंतरा भाग-2 (गद्य खंड)	1 1 3,2	5 1 4	बहुविकल्पीय प्रश्न (1x5=5) सप्रसंग व्याख्या (दो में कोई एक) (5×1=5) कविताओं पर आधारित प्रश्न (3+3+2+2=10)	20
अंतराल भाग-2	2,3	3	पाठों पर आधारित प्रश्न (2+2+3=7)	7
अभिव्यक्ति और माध्यम	1 3, 2 5	5 2 1	अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न (1x5=5) लघुत्तरात्मक (3+2=5) दीर्घउत्तरात्मक(दो में से कोई एक) (1x5=5)	15
आदर्श जीवन मूल्य (उत्तरा)	2	4	लघुत्तरात्मक प्रश्न (4x2=8)	8
कुल				**80**